वसंत विषुव

वसंत विषुव एक प्राकृतिक घटना है जो वर्ष 2023 में 21 मार्च को घटित हुई।

विषुव (Equinox):

- **परिचय:**
    - विषुव वर्ष में दो बार **लगभग 21 मार्च और 23 सितंबर को होता है**, जब सूर्य सीधे भूमध्य रेखा के ऊपर होता है।
    - विषुव के दौरान उत्तरी और दक्षिणी गोलार्द्ध दोनों में दिन एवं रात बराबर होते हैं। वसंत विषुव **उत्तरी गोलार्द्ध में 20 या 21 मार्च को होता है, जबकि दक्षिणी गोलार्द्ध में यह 22 या 23 सितंबर को होता है।**
    - इसके विपरीत **दक्षिणी गोलार्द्ध में 21 मार्च** को वसंत ऋतु का आगमन होता है, जबकि उत्तरी गोलार्द्ध में 23 सितंबर (शरद विषुव) को शरद ऋतु का आगमन होता है।

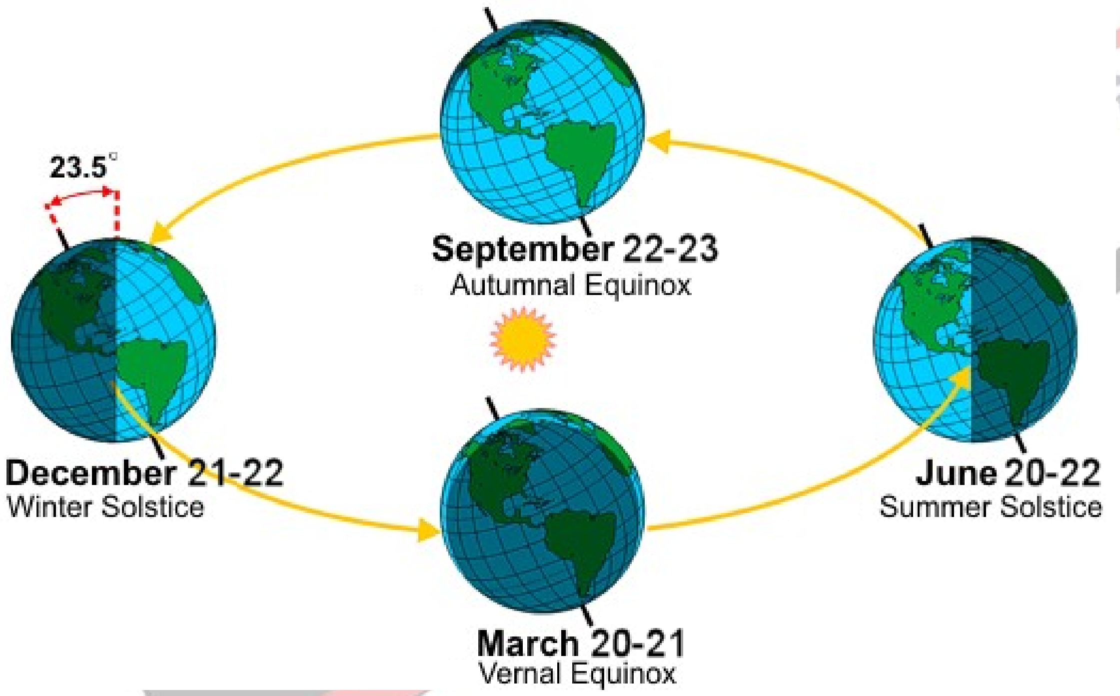

//

- **महत्त्व:**
    - इसके परिणामस्वरूप सूर्य विषुवत वृत्त के ऊपर स्थित होता है और **दोनों गोलार्द्धों को लगभग समान मात्रा में सूर्य का प्रकाश प्राप्त होता है।**
    - वसंत विषुव के बाद **उत्तरी गोलार्द्ध मार्च में सूर्य के करीब झुक जाता है,** जिसके परिणामस्वरूप **सूर्योदय पहले और सूर्यास्त बाद में होता है जिसकी वजह से दिन बड़ा होता है।**
    - हिन्दू ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, वसंत विषुव को वसंत विशुवा या वसंत संपत के नाम से भी जाना जाता है।
    - वसंत विषुव में सूर्योदय पहले और सूर्यास्त बाद में होता है जिसके परिणामस्वरूप उत्तरी गोलार्द्ध में पौधे अंकुरित होते है।
    - विषुवत वृत्त के **दक्षिण (दक्षिणी गोलार्द्ध)** में **सूर्योदय बाद में और सूर्यास्त पहले** होता है जिसके कारण सर्द हवाएँ चलती हैं तथा सूखी पत्तियाँ गिरती हुई देखी जाती हैं।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. उत्तरी गोलार्द्ध में वर्ष का सबसे लंबा दिन सामान्य रूप से होता है:

(a) जून माह का प्रथम पूर्वार्द्ध
(b) जून माह का द्वितीय पूर्वार्द्ध
(c) जुलाई माह का प्रथम पूर्वार्द्ध
(d) जुलाई माह का द्वितीय पूर्वार्द्ध

उत्तर: B

व्याख्या:

- उत्तरी गोलार्द्ध में 'जून माह का द्वितीय पूर्वार्द्ध (21 जून)' वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है।
- **अतः विकल्प B सही है।**

स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/vernal-equinox